

डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 31, रूथ का परिचय

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 31 है, रूथ का परिचय।

नमस्ते, प्रोफेसर डेविड हॉवर्ड फिर से यहाँ हैं। इस खंड में, हम रूथ की पुस्तक के बारे में बात करने जा रहे हैं। इसलिए, यदि आप मेरे वीडियो व्याख्यानों का अनुसरण कर रहे हैं, तो हमने जोशुआ और न्यायाधीशों और अब रूथ को कवर किया है। और यह पुस्तक तार्किक रूप से न्यायाधीशों की पुस्तक के बाद चलती है और यह सैमुअल की पुस्तक से तार्किक रूप से आगे दिखती है।

लेकिन हम कुछ ही मिनटों में कैनन में इसके स्थान पर अधिक ध्यान से विचार करेंगे। लेकिन शुरुआत करने के लिए, बस रूथ की किताब के बारे में कुछ सामान्य बातें कहनी हैं। इस पुस्तक में सबसे आनंददायक कहानियों में से एक है जो हमें बाइबल में मिली है।

यहां हम देखते हैं कि किरदारों के लिए सब कुछ सही ढंग से काम कर रहा है। यह लगभग हमेशा के लिए खुशी देने वाली कहानी है। सहानुभूतिपूर्ण पात्र, शुरुआत में कुछ दुखद बातें और फिर यह सभी के लिए अच्छा काम करता है।

यह एक साहित्यिक कृति के रूप में अच्छी तरह से निर्मित है और यह अक्सर लघु कहानी के एक सुंदर उदाहरण के रूप में विश्व साहित्य के संग्रह या संग्रह में भी पाया जाता है। चीजों के परिचय के साथ, एक संकट पेश किया जाता है, चरमोत्कर्ष जहां समाप्ति, चीजों का काम करना, और फिर समापन की तरह। इसलिए, इसे एक सुंदर साहित्यिक कहानी के रूप में हर तरफ से सराहा गया है, भले ही लोगों को इसमें वास्तविक घटनाओं पर विश्वास न हो।

यह एक साधारण लेकिन कठिन समय में एक परिवार की किस्मत के बारे में बहुत गहरी कहानी बताती है। हमें शुरू में ही बताया गया था कि यह न्यायाधीशों के काल में होता है और हम पिछले व्याख्यानों में न्यायाधीशों के काल में भयानक स्थितियों और स्थितियों के बारे में बात करते रहे हैं। तो, यह उस दौर के अंधेरे में चमकती आशा की एक छोटी सी किरण और एक छोटी सी रोशनी है।

इन लोगों के जीवन में भगवान की कम महत्वपूर्ण लेकिन निश्चित रूप से निश्चित और स्थिर भागीदारी दिखाना और उन्हें आशीर्वाद देना। तो चलिए किताब के बारे में ही बात करते हैं। पुस्तक का शीर्षक मुख्य पात्र रूथ से लिया गया है।

वह एक मोआबी महिला है। वह मृत सागर के पूर्व मोआब से है और वह इस्राएली नहीं है। तो, यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो एक तरह से भगवान के परिवार का हिस्सा बन गया है, अपने

वंश के माध्यम से नहीं, जन्म के माध्यम से नहीं, बल्कि मूल रूप से अपनी सास और उसके विश्वास को अपनाने के द्वारा पति का परिवार.

उसे इब्राहीम के वंशजों द्वारा आशीर्वाद दिया गया था। हमने पिछले व्याख्यानों में इब्राहीम वाचा के बारे में बात की है जो कहती है कि भगवान उन लोगों को आशीर्वाद देंगे जो इब्राहीम और उसके वंशजों को आशीर्वाद देंगे और निश्चित रूप से रूथ वह थी जिसने इसकी पुष्टि की, अपनी सास के प्रति अपनी वफादारी व्यक्त की और प्रतिज्ञा की और वह बदले में थी फिर आशीर्वाद दिया गया और इस्राएल के घराने में विवाह हुआ और सब कुछ अच्छा हो गया। पुस्तक के लेखकत्व के संदर्भ में, सभी ऐतिहासिक पुस्तकों की तरह, जोशुआ से लेकर एस्तेर तक, यह पुस्तक गुमनाम है।

हमारे पास पुस्तक में लेखकत्व के बारे में कोई रिकॉर्ड या कोई बयान नहीं है। पुस्तक के लेखकत्व के बारे में हमारे पास धर्मग्रंथ में कहीं और कोई बयान नहीं है। इसलिए मूलतः हम नहीं जानते।

यहूदी परंपरा ने इसे सैमुअल को सौंपा, जो तर्कसंगत हो सकता है। इसके बाद वह कुछ वर्षों तक जीवित रहे, लेकिन अन्यथा, हम वास्तव में नहीं जानते। यह सुझाव दिया गया है कि शायद दो मजबूत, योग्य महिलाओं, नाओमी और रूथ की प्रमुखता के कारण लेखिका एक महिला थी, लेकिन फिर से यह एक अनुमान है।

जानने का कोई तरीका ही नहीं है. तो, इन सभी पुस्तकों के साथ इस मुद्दे पर मेरा दृष्टिकोण, ये बातें जितनी दिलचस्प हो सकती हैं, धर्मग्रंथ किसी बात का कोई मतलब नहीं रखता है। हम एक तरह से यह पता लगाने की कोशिश में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं, जब तक कि हम इसे केवल जिज्ञासा के लिए नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह वास्तव में लेखक के बारे में अनुमान लगाने के लिए पुस्तक की हमारी व्याख्या में मदद नहीं करता है, इसलिए हम इसे ऐसे ही छोड़ देंगे। वह।

पुस्तक की तारीख के संदर्भ में, पुस्तक में अंतिम शब्द डेविड है, जो राजा डेविड का जिक्र करता है, जिसका शासनकाल लगभग 1010 ईसा पूर्व से लगभग 970 तक था। तो स्पष्ट रूप से यह पुस्तक उसके बाद लिखी गई होगी। उसके कितने समय बाद, हमें कोई अंदाज़ा नहीं है।

कई लोगों ने दावा किया है कि यह डेविड के समय में उसके शासन को वैध बनाने के लिए लिखा गया था, जिसके बारे में हम कुछ मिनटों में बात करेंगे। दूसरों ने तर्क दिया है कि यह वास्तव में सदियों बाद, एज्रा और नहेमायाह के समय में लिखा गया था, और इसका कारण यह था कि एज्रा और नहेमायाह दोनों ने सुधारों की स्थापना की थी जिसमें उन्होंने विदेशियों के साथ अंतर्विवाह की खोज की थी, और उन्होंने सामूहिक रूप से तलाक के लिए मजबूर किया था।, वहाँ, परमेश्वर के लोगों में विदेशी पत्नियों को पुरुषों से दूर रखा गया है, और कई लोगों ने तर्क दिया है कि यह पुस्तक सिक्के के दूसरे पहलू को दर्शाती है, अर्थात् एक विदेशी पत्नी का आलिंगन, और वह परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बन गई, और कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि यह पुस्तक उन अन्य पुस्तकों के विरुद्ध जानबूझकर विवाद के रूप में लिखी गई थी। मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि यह पुस्तक एज्रा और नहेमायाह के सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाती है, लेकिन मुझे लगता है

कि एज्रा और नहेमायाह में बड़े पैमाने पर तलाक के कारण हैं, और वहां कम करने वाले कारक हैं जिनके बारे में हम यहां नहीं बता सकते हैं।

मैं तुम्हें बस एक छोटा सा विज्ञापन दूंगा। मैंने पुराने नियम की ऐतिहासिक पुस्तकों का परिचय नामक एक पाठ्यपुस्तक लिखी है, और मेरे पास एज्रा और नहेमायाह सहित प्रत्येक ऐतिहासिक पुस्तक पर एक अध्याय है, मैं एज्रा और नहेमायाह में सुधारों, सामूहिक तलाक के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करता हूं।, और उसकी नैतिकता, ताकि यदि आपकी रुचि हो तो आप उसे देख सकें। लेकिन यहाँ, यह उस सिक्के का दूसरा पहलू दिखाता है, और यह भगवान के लोगों द्वारा एक विदेशी को गले लगाने की एक सुंदर तस्वीर दिखाता है।

पुस्तक की साहित्यिक प्रकृति को कई अलग-अलग तरीकों से चित्रित किया गया है। एक लघुकथा के रूप में, इसके पीछे यह धारणा है कि यह काल्पनिक है। कुछ विद्वानों ने इसके बारे में एक ऐतिहासिक लघुकथा के रूप में अधिक चर्चा की है, और मुझे लगता है कि यह एक अच्छा लक्षण वर्णन है।

इस किताब में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे लगे कि यह काल्पनिक है। वास्तव में, ऐसे और भी सबूत हैं जो बताते हैं कि ऐसा नहीं है, क्योंकि किताब की शुरुआत में नामों पर सावधानीपूर्वक ध्यान दिया गया है, एलीमेलेक और नाओमी और उनके दो बेटे, और फिर रूथ और ओर्पा, पत्नियाँ, और अंत में, वंशावली जो हमें कुलपिता जैकब से लेकर डेविड तक ले जाती है, सावधानीपूर्वक एक साथ रखी गई है, इसलिए यह देखना मुश्किल है कि यह सिर्फ काल्पनिक निर्माण है। लेकिन उस अर्थ में यह एक सुंदर साहित्यिक दस्तावेज़ है।

मैं पुस्तक की साहित्यिक प्रकृति के बारे में थोड़ा और कहना चाहूंगा। जैसा कि मैंने देखा है, कई विद्वान इसकी खूबसूरत कहानी के लिए किताब की प्रशंसा करते हैं, लेकिन जब आप किताब के अंत तक पहुंचते हैं, तो आपको अध्याय 4, श्लोक 17 में एक तरह का समापन मिलता है, जहां रूथ और नाओमी ने शादी कर ली है, उनका एक बेटा है, उसका नाम ओबेद है, वह यिश्ई का पिता है, वह दाऊद का पिता है। तो, श्लोक 17, अध्याय 4 का अंत, डेविड के साथ समाप्त होता है, और फिर उसके बाद, हमारे पास एक बहुत छोटी वंशावली है, श्लोक 18 से 22, जो पेरेंज़ नाम के किसी व्यक्ति के पास जाती है, और फिर डेविड के पास आती है।

और इसलिए, कुछ अर्थों में, यहां अतिरेक है, और यह वंशावली, निश्चित रूप से, एक कथा संरचना में नहीं बंधी है, यह सिर्फ एक सूची है। और कई विद्वानों ने शायद कहा है, शायद पुस्तक का मूल रूप अध्याय 1, श्लोक 1 से लेकर अध्याय 4, श्लोक 17 तक था, यह सुंदर लघु कथा प्रकार का निर्माण है, और फिर कई विद्वानों का तर्क है कि वंशावली, कभी-कभी देखी जाती है डेविड के साथ संबंध को और अधिक प्रमुख बनाने के लिए बाद में एक परिशिष्ट जोड़ा गया, और धारणा यह है कि यह बहुत ही भद्दे तरीके से, मनमाने तरीके से किया गया है, और यह आवश्यक नहीं था, और इसलिए ये विद्वान छांटेंगे वंशावली को खारिज करें, और इसे एक अनावश्यक और भद्दे तरीके के रूप में देखें जो बाकी किताब की सुंदरता को नष्ट कर देता है। मेरा अपना विचार यह है कि हम वास्तव में नहीं जानते कि यह पुस्तक के शेष भाग के समय लिखा गया था, या बाद में, और कुछ अर्थों में, इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि यह अंतिम रूप का हिस्सा

है पुस्तक, यह वह रूप है जो नीचे आया है, कहीं भी कोई पांडुलिपि प्रमाण नहीं है कि पुस्तक अध्याय 4 के श्लोक 17 पर समाप्त हुई है, इसलिए, यदि हम संपूर्ण धर्मग्रंथ की व्याख्या करने जा रहे हैं, तो हम इसे उसी रूप में लेने के लिए बाध्य हैं हैं, और इसे उस तरह से विभाजित नहीं करना चाहिए जिस तरह से हम इसे देखना पसंद करेंगे।

तो, मेरा मंत्र, लगभग, मेरी कई कक्षाओं के साथ, यह है कि व्याख्याता के रूप में हमारा काम, यदि हमारे पास एक व्याख्याकार की टोपी है, एक दुभाषिया की टोपी है, तो मेरा काम उस पाठ की व्याख्या करना है जो वहां है, न कि उस पाठ की व्याख्या करना जो मैं चाहता हूं कि वहां होता।, या मुझे लगता है कि वहां होना चाहिए था, या नहीं होना चाहिए था। तो जैसा कि हम पुस्तक के बारे में बात करते हैं, हम पुस्तक के हिस्से के रूप में वंशावली के महत्व के बारे में बात करेंगे, और कुछ मायनों में, साहित्यिक शैली में, यह फिट बैठता है, क्योंकि हमारे पास अध्याय 1 में, छंद 1-5 हैं, कई नामों की सूची, और मंच तैयार करने का प्रकार, और फिर अंत में, हमारे पास कई नामों की एक सूची है, और इसे लपेटना, इसे संदर्भ में रखना, इसलिए यह सूचियों, अध्याय 1- द्वारा कोष्ठक में रखा गया है 5, और फिर अध्याय 4, 18-22। पुस्तक का उद्देश्य क्या है? इसके अनेक अनुमान और अनेक विवरण प्रस्तुत किये गये हैं।

निश्चित रूप से, यह एक खूबसूरत किताब है जो वफादारी और पारिवारिक संबंधों के बारे में बात करती है, और चीजें अच्छी तरह से काम करती हैं, और हमें निश्चित रूप से इसे उस लेंस के माध्यम से देखना अच्छा होगा। जैसा कि मैंने कहा, कुछ लोगों ने इसे एज्रा नहेमायाह विरोधी विवाद के रूप में देखा है, जो विदेशियों को अधिक शामिल करने के पक्ष में तर्क दे रहा है। कुछ लोगों ने कहा है कि यह महज़ एक मनभावन लघुकथा से अधिक कुछ नहीं है, उसी तरह जैसे हम आज लघुकथाएँ पढ़ते हैं, या कुछ परीकथाएँ जिनका हम आनंद लेते हैं।

मुझे लगता है कि निःसंदेह इसमें इसके अलावा और भी बहुत कुछ है। मुझे लगता है कि इसमें स्पष्ट रूप से वफादारी का विचार है, और मुझे लगता है कि यह एक परिवार के बारे में एक बहुत ही सुंदर कहानी दिखाता है, और भगवान एक परिवार के जीवन में कम महत्वपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमें किताब के अंत में डेविड के संदर्भ को गंभीरता से लेना होगा, और उस अर्थ में, अगर हम उन किताबों के प्रवाह को देखें जिन्हें हम यहां पढ़ रहे हैं, जोशुआ, और विशेष रूप से न्यायाधीश, न्यायाधीश जो बातें कह रहे हैं हम इस निचले स्तर पर पहुँच गए हैं क्योंकि देश में कोई धर्मात्मा राजा नहीं है, और हमें एक राजा की आवश्यकता है।

रूथ की पुस्तक, फिर, प्रोटेस्टेंट कैनन में उसका अनुसरण करते हुए, हमें आगे ले जाती है, हमें आने वाले महान धर्मात्मा राजा, डेविड के वंश के जीवन की एक कहानी देती है। और डेविड का परिचय अगली किताब में, निस्संदेह, 1 सैमुअल में दिया गया है। तो, मुझे लगता है कि यह वहां है।

हमें निश्चित रूप से इसके बारे में सोचना होगा, जब हम पुस्तक के उद्देश्य के बारे में बात करते हैं, तो हमें निश्चित रूप से इसकी डेविडिक प्रकृति के संदर्भ में सोचना होगा। और मुझे लगता है कि यह धर्मात्मा राजा डेविड के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है। यह डेविड के राजत्व को वैध बनाने का हिस्सा है, लेकिन यह दिखाने के लिए भी कि ईश्वर का विधान काम कर रहा है।

ईश्वर उस प्रकार अनुपस्थित नहीं है जिस प्रकार वह न्यायाधीशों की पुस्तक के विभिन्न भागों में दिखाई देता है। ईश्वर एक परिवार के जीवन में पूरी तरह से मौजूद है, और हम डेविड के आने से कुछ पीढ़ियों पहले उस परिवार का एक सैपशॉट देखते हैं। कैनन में पुस्तक के स्थान के संदर्भ में, जैसा कि मैंने अभी कहा, हमारी बाइबिल में, हममें से अधिकांश जो प्रोटेस्टेंट बाइबिल पढ़ रहे हैं, यह न्यायाधीशों के ठीक बाद आता है।

यह वहां फिट बैठता है क्योंकि पुस्तक यह कहकर शुरू होती है, कि जिन दिनों में न्यायाधीश न्याय करते थे, उन दिनों में जब न्यायाधीश न्याय करते थे, देश में अकाल पड़ा, और यह चलता रहा। तो तुरंत, हमारे पास उस पृष्ठभूमि के सामने सेटिंग है, और यह यहां बहुत अच्छी तरह से फिट बैठती है। हिब्रू कैनन में, यहूदी कैनन एक अलग स्थान पर दिखाई देता है।

हिब्रू कैनन को तीन प्रमुख खंडों में व्यवस्थित किया गया था। पहली पाँच पुस्तकें, पेंटाटेच, मूसा की पुस्तकें, कानून की पुस्तकें और टोरा, उत्पत्ति से लेकर व्यवस्थाविवरण तक थीं। फिर वही है जिसे पैगंबर कहा जाता है।

यहोशू, न्यायाधीश, शमूएल और राजा, विश्वास करें या न करें, उन्हें पैगंबर कहा जाता है। इन्हें पूर्व पैगंबर कहा जाता है। और फिर राजाओं के ठीक बाद यशायाह, यिर्मयाह, यहजकेल और फिर बारह की पुस्तक है।

तो, हिब्रू कैनन में पैगंबरों की आठ किताबें हैं। गिनती के अलग-अलग तरीके, वे वही किताबें हैं जो हमारे पास हैं। तो, बारह की पुस्तक में वह भी शामिल है जिसे हम बारह छोटे पैगंबर कहते हैं।

लेकिन फिर अगले खंड में, इसमें अन्य सभी विविध पुस्तकें शामिल हैं जो पहले दो खंडों में शामिल नहीं हैं, आमतौर पर भजन से शुरू होती हैं, और फिर नीतिवचन, या भजन, अय्यूब और फिर नीतिवचन। और फिर नीतिवचन के ठीक बाद रूथ है। रूथ मेगिलॉट कहलाने वालों में से पहला है।

और मेगिलॉट स्क्रॉल के लिए शब्द है। और मेगिलॉट नाम की पाँच पुस्तकें हैं। ये हैं रूथ, और गीतों का गीत, या सुलैमान का गीत, सभोपदेशक, विलाप और एस्तेर।

तो, ये सभी पांच छोटी किताबें हैं, और, यहूदी परंपरा में, बाद में, पुराने नियम के बाद, वे त्योहारों के वार्षिक चक्र के जीवन में पांच अलग-अलग त्योहारों पर पढ़ी जाने लगीं। और रूथ को फसह के बाद सप्ताहों के पर्व, पिनतेकुस्त के पर्व पर पढ़ा गया। लेकिन यह दिलचस्प है कि यह नीतिवचन के ठीक बाद आता है, क्योंकि, मैं यहां कुछ कहना चाहता हूँ।

यदि आपके पास बाइबिल है, तो रूथ की पुस्तक खोलें। लेकिन फिर मैं आपको नीतिवचन के अंत में कुछ दिखाना भी चाहूँगा। तो नीतिवचन, अध्याय 31 के अंत तक पलटें।

कहावतों का अंत इस तरह होता है कि यह काफी प्रसिद्ध है, जैसा कि अधिकांश लोग जानते हैं। नीतिवचन की पुस्तक अध्याय 31 के श्लोक 10 से 21 में एक कविता के साथ समाप्त होती है। धर्मपरायण महिला, एक उत्कृष्ट पत्नी की प्रशंसा में एक कविता, कुछ इसी प्रभाव की।

और यह मेरे संस्करण, नीतिवचन 31, श्लोक 10 से शुरू होता है। यह कहता है, एक उत्कृष्ट पत्नी, कौन पा सकता है? वह गहनों से कहीं अधिक कीमती है। उसके पति का हृदय उस पर विश्वास करता है।

उसे अन्न की कोई कमी नहीं होगी। और यह वास्तव में उसकी उच्च स्वर्ग तक प्रशंसा करता है। और वह एक अच्छी बिजनेसवुमन हैं।

वह घर पर, शहर के द्वार पर अपने मामलों का प्रबंधन करती है, और यह सब अच्छी चीजें हैं। मेरे संस्करण में उत्कृष्ट पत्नी के लिए हिब्रू शब्द, एक धर्मपरायण महिला के बारे में बात करते हैं, और उसके अनुवाद के विभिन्न तरीके। लेकिन श्लोक 10 में वह शब्द, श्लोक 10 में वह शब्द एशेत हेयेल है।

एशेत पत्नी या महिला के लिए शब्द है। और यह एक शब्द है जिसका अनुवाद योग्य या उत्कृष्ट के रूप में किया जाता है। कभी-कभी यह पुरुषों को संदर्भित करने वाला एक शब्द है।

और आमतौर पर, इसका अनुवाद वीरता के रूप में किया जाता है। वीरता के शक्तिशाली पुरुषों में हेयेल शब्द भी शामिल है। तो, हम एस्तेर के बारे में, नीतिवचन में धर्मपरायण महिला के बारे में कहेंगे।

यह एक उत्कृष्ट पत्नी है। अब, अगर हम रूथ की किताब पर वापस जाएँ, अध्याय 3 में, जब बोअज़ उससे बात कर रहा है, तो वह कहता है, रूथ अध्याय 3, श्लोक 11, बोअज़ कहता है, अब, मेरी बेटी, डर मत। मैं तुम्हारे लिए वह सब करूँगा जो तुम पूछोगे।

क्योंकि मेरे सब नगरवासी जानते हैं, कि तू एक योग्य स्त्री है। मेरे संस्करण में, वह अनुवाद है। और वहाँ दो शब्द बिल्कुल वही हैं जो हम नीतिवचन में पाते हैं, एशेत हेयेल।

तो, एक उत्कृष्ट पत्नी, ईएसवी का नीतिवचन में इस तरह अनुवाद किया गया है, यहाँ योग्य महिला है। कुछ मायनों में यह अच्छा होगा यदि संस्करण ने लिंक दिखाने के लिए दोनों का उसी तरह अनुवाद किया क्योंकि वे हिब्रू में बिल्कुल वही दो शब्द हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि, कहावतें आदर्श महिला, आदर्श पत्नी, मान लीजिए, के बारे में बात करने के साथ समाप्त होती हैं।

और फिर हमारे पास हिब्रू कैनन की अगली किताब में इसका एक उदाहरण है, एक छोटी कहानी जिसमें रूथ को उस तरह की उत्कृष्टता, उस तरह की योग्यता के प्रतिमान के रूप में दिखाया गया है। तो हिब्रू कैनन को जिस तरह से प्रस्तुत किया गया है उसमें यह वास्तव में एक दिलचस्प संबंध है। जिस तरह से हम इसे न्यायाधीशों के साथ जानते हैं, यह पुस्तक के स्थान में भी दिलचस्प है क्योंकि न्यायाधीशों की पुस्तक भी अध्याय 20 में उसी शब्द हेयेल के साथ समाप्त होती है।

इसलिए, यदि आप कुछ पन्ने पलटना चाहते हैं, जब यह बेंजामिन के लोगों और इस गृहयुद्ध के बारे में बात कर रहा है जिसने लोगों को उलझा दिया है, तो बेंजामिन के लोग बहादुर योद्धा और सेनानी हैं। और न्यायियों अध्याय 20, श्लोक 44 में, यह कहा गया है कि बिन्यामीन के 18,000 पुरुष मारे गए, वे सभी वीर पुरुष, हेयेल के पुरुष थे। तो, और फिर श्लोक 46 के अंत में भी उसी शब्द का उल्लेख है।

इसलिए, हमें नहीं लगता कि रूथ एक योद्धा प्रकार की थी, लेकिन शब्दों का खेल दिलचस्प है। यह न्यायाधीशों के अंत के साथ फिट बैठता है। वह, ये लड़ने वाले वीरता के आदमी हैं।

वह रूथ में महान वीरता, मूल्य और योग्यता की महिला है। और वह नीतिवचन में वर्णित महिला की तरह सद्गुण और उदाहरण की प्रतिमान है। तो, ये कैनन में पुस्तक के स्थान के बारे में कुछ बातें हैं।

आइए पुस्तक के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ के बारे में बात करें। मूलतः, यह वही है जिसके बारे में हमने न्यायाधीशों की पुस्तक में बात की है। यहां अराजकता का दौर है।

नैतिक पतन का समय है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह बाद की अवधि है क्योंकि यह राजा डेविड से कुछ पीढ़ियों को हटा दिया गया है, जो लगभग 1010 ईसा पूर्व में सिंहासन पर बैठे थे। न्यायाधीशों का काल इससे कई सौ वर्ष पूर्व लगभग 1400, 1350 से प्रारम्भ होता है।

मोआबी वहीं के लोग हैं जहां से रूथ आती है। और वे भौगोलिक रूप से पड़ोसी थे, लेकिन मोआबियों के कारण भी संबंधित थे, मोआब मूल रूप से लूत का पुत्र था। लूत इब्राहीम का भतीजा था।

मोआब का जन्म, दुर्भाग्य से, लूत द्वारा उत्पत्ति 19 में उसकी बेटी के साथ अनाचारपूर्ण संबंध के कारण हुआ था। और इसलिए, मोआबियों और इस्राएलियों का आपस में दूर के चचेरे भाई-बहन के रूप में संबंध है। बाइबल के माध्यम से दोनों समूहों के बीच काफी कुछ संदर्भ हैं।

मिस्र से पलायन के बाद, इस्राएली, जब वे जंगल में भटक रहे थे, एमोरियों के राजा सीहोन से भिड़ गए, जिसने गिनती 21 में मोआब पर कब्जा कर लिया था। न्यायियों 3 में, हम एग्लोन के बारे में थोड़ा पढ़ते हैं मोआबी राजा, जिसे एहूद ने पेट पर बायें हाथ से वार करके मार डाला। यहां, इज़राइल और मोआब के बीच संबंध काफी स्थिर प्रतीत होते हैं, और रूथ यात्रा करने में सक्षम है।

बाद में, 2 राजाओं में इज़राइल और मोआब के बीच संघर्ष हुआ। और जिस उपासना को मोआबी लोग पूजते थे, उसका प्रधान देवता कमोश था। और उन्होंने अन्य कनानियों की तरह बाल और अशेरा आदि देवताओं की भी पूजा की।

इसलिए, इससे पहले कि हम किताब में उतरें, मैं एक और चीज़ के बारे में बात करना चाहता हूँ, और फिर किताब के विषयों के बारे में। जिस विशेष चीज़ पर मैं कुछ मिनट बिताना चाहता हूँ वह

लेवेरेट विवाह कहलाती है। और यह लैटिन शब्द लीवर से आया है, जिसका अर्थ है भाई, या बहनोई।

अध्याय 3 और 4 में, जहां रूथ और बोअज़ शादी करने के लिए तैयार हो रहे हैं, वहां एक छोटी सी गड़बड़ी दिखाई देती है, क्योंकि कोई है जो बोअज़ से भी करीबी रिश्तेदार है, और वह कहता है कि इस आदमी के पास रूथ से शादी करने के अधिकार हैं। इससे पहले कि बोअज़ के पास कोई अधिकार होता। और रूथ की पुस्तक में इतनी सारी चर्चाएँ दावा करती हैं कि यह, उत्तोलन का नियम, जिसके बारे में वास्तव में पेंटाटेच में बताया गया है, वास्तव में यहाँ रूथ की पुस्तक में क्या चल रहा है। और मैं कहूँगा, नहीं, कुछ करीबी समानताएँ हैं, लेकिन बिल्कुल नहीं।

पेंटाटेच में दो अंश हैं जो इसकी पृष्ठभूमि की तरह हैं। और इसलिए, हम उन पर गौर करेंगे। पहला व्यवस्थाविवरण, अध्याय 25 में है।

तो चलिए मैं आपसे उस पर वापस लौटने के लिए कहता हूँ। यह वह अंश है जहां वास्तविक लेवेरेट विवाह का उल्लेख किया गया है, जहां एक विधवा का बहनोई उससे शादी करने और उसके लिए एक बच्चा, एक बेटा पैदा करने के लिए बाध्य है। तो, आइए संदर्भ को देखें, और फिर हम देखेंगे कि यह रूथ की पुस्तक से कैसे संबंधित है, या यह रूथ की पुस्तक से कैसे संबंधित नहीं है।

तो, व्यवस्थाविवरण 25, श्लोक 5 से शुरू होता है। यह कहता है, यदि भाई एक साथ रहते हैं और उनमें से एक मर जाता है और उसके कोई बेटा नहीं है, तो मृत व्यक्ति की पत्नी का विवाह परिवार के बाहर किसी अजनबी से नहीं किया जाएगा। उसके पति का भाई उसके पास जाकर उसे अपनी पत्नी बनाएगा, और उसके प्रति पति के भाई का धर्म निभाएगा। तो, दूसरे शब्दों में, यदि किसी महिला का पति मर जाता है, तो उसे उसके किसी भाई से पुनर्विवाह करना चाहिए, न कि परिवार से बाहर विवाह करना चाहिए।

और अंग्रेजी शब्द जीजा या पति के भाई का कर्तव्य निभाते हैं। उसके पीछे हिब्रू शब्द यबम है। और वह शब्द यहाँ कई बार आता है।

मैं इस जीजाजी के कर्तव्यों की बात कर रहा हूँ। यह शब्द पवित्रशास्त्र में केवल एक बार और आता है, और वह उत्पत्ति 38, श्लोक 8 में यहूदा और उसकी बहू तामार के संदर्भ में है। और जब तामार का पति मर जाता है, यहूदा का बेटा मर जाता है, तो वह उसके पास आती है और उससे कर्तव्य निभाने के लिए कहती है, वही कर्तव्य।

और शब्द है यबम। यह शब्द रूथ की पुस्तक में नहीं मिलता है। तो, यह संबंध जो आप अक्सर रूथ के अध्ययनों या टिप्पणियों में देखेंगे, वास्तव में कोई सटीक संबंध नहीं है।

लेकिन आइए व्यवस्थाविवरण परिच्छेद को पढ़ना जारी रखें। तो, पद 6, व्यवस्थाविवरण 25. वह जो पहला पुत्र उत्पन्न करेगी वह अपने मृत भाई के नाम का उत्तराधिकारी होगा, ऐसा न हो कि उसका नाम इस्राएल में से मिट जाए।

तो इस तरह से सिस्टम को काम करना चाहिए। लेकिन श्लोक 7 कहता है, शायद यह उस तरह से काम नहीं करेगा। पद 7, यदि कोई पुरुष अपने भाई की पत्नी को ब्याहना न चाहे, तो उसके भाई की पत्नी फाटक पर पुरनियों के पास जाकर कहे, कि मेरे पति का भाई अपने भाई का नाम कायम रखने से इन्कार करता है।

वह मेरे लिए पति के भाई का कर्तव्य नहीं निभाएगा।' तो, वह यबम नहीं करेगा. तब नगर के पुरनिये उसे बुलाकर उस से बातें करें, और यदि वह हठ करे, तो कहें, नहीं, मैं उसे ले जाना नहीं चाहता।

तब उसके भाई की पत्नी पुरनियों के साम्हने उसके पास जाकर उसके जूतियां उतार ले, और उसके मुंह पर थूक दे। तो यह एक तरह का नाटकीय दृश्य है। रूथ की पुस्तक में रूथ ने निकटतम रिश्तेदार के चेहरे पर नहीं थूका।

वह वास्तव में जीजाजी नहीं है. यहाँ भी बहुत सारे महत्वपूर्ण अंतर हैं। और फिर यह कहते हुए समाप्त होता है कि यह इसी तरह से काम करेगा।

तो, जिस तरह से इसे काम करना चाहिए वह यह है कि भाई को आगे आना चाहिए। लेकिन जैसा कि मैंने कहा है, रूथ में स्थान, उस निकटतम रिश्तेदार का स्थान, और रूथ में इसे अक्सर रिश्तेदार या रिश्तेदार उद्धारकर्ता या सिर्फ उद्धारक के रूप में अनुवादित किया जाता है। वहां का शब्द अलग है.

शब्द गोयल है, जिसका अनुवाद रिश्तेदार या निकट रिश्तेदार या छुड़ाने वाले रिश्तेदार के रूप में किया जाता है। और यही शब्द इस्तेमाल किया गया है. उस शब्द का उपयोग व्यवस्थाविवरण 25 में बिल्कुल भी नहीं किया गया है, लेकिन इसका उपयोग लैव्यवस्था की पुस्तक, अध्याय 25 में कई बार किया गया है।

तो यह एक करीबी सादृश्य प्रतीत होता है। तो, आइए लैव्यवस्था 25 के उस अंश को देखें। और उस अध्याय में दो खंड हैं जो इसके लिए प्रासंगिक हैं।

एक श्लोक 23 से 34 में है। और यह मोचन का खंड है, गोएल का मौखिक रूप, संपत्ति का मोचन। और फिर श्लोक 35 से 46 में गरीब रिश्तेदारों या गरीब भाइयों की मुक्ति है।

और इसलिए वे दो दृश्य या वे दो चित्र रूथ में जो चल रहा है उसके करीब प्रतीत होते हैं क्योंकि इस्तेमाल किया गया शब्द बिल्कुल वही है, गोयल या मौखिक रूप, गिल। तो, आइए यहां कुछ छंदों पर नजर डालें। लैव्यवस्था 25, पद 23.

वह भूमि सदा के लिये न बेची जाए, क्योंकि वह भूमि तो मेरी है, यहोवा का यही वचन है। हमने यहोशू की पुस्तक में यह बात कही है कि कनान की भूमि वास्तव में कनानियों की नहीं थी, बल्कि यह ईश्वर की थी, तब भी जब इज़राइल इसमें शामिल था। यह अभी भी अंततः भगवान का है।

परमेश्वर कहता है, कि तुम मेरे साथ परदेशी और परदेशी हो, और जितने देश में तुम अपने अधिकार में हो, उन सब से तुम छुटकारा पाओगे। भूमि का गोयल शब्द है। यदि आपका भाई गरीब हो जाता है, श्लोक 25, और अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा बेचता है, तो उसका निकटतम उद्धारक, जो संज्ञा रूप है, गोयल, आएगा और अपने भाई द्वारा बेची गई चीज़ को छुड़ाएगा।

और फिर यह अध्याय के माध्यम से आगे बढ़ता है। तो यहाँ यह किसी के आने और ज़मीन को छुड़ाने के लिए कीमत चुकाने या किसी ऐसे व्यक्ति को छुड़ाने के बारे में बात हो रही है जिसने अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा किसी और के कब्जे में बेच दिया है, ताकि वह उसे छुड़ा सके और उसे वापस मिल सके। और यहाँ इस तरह का जोर है।

यह एक तरह से संपत्ति के स्वामित्व, या कम से कम भण्डारीपन के मूल्य और महत्व को दर्शाता है, और भगवान भूमि का मालिक है, लेकिन वह इसे लोगों को, व्यक्तियों को, जनजातियों को, इज़राइल की भूमि को ट्रस्ट में देता है। फिर श्लोक 35 और उसके बाद में, ऐसा ही उस व्यक्ति के साथ होना चाहिए जो गरीब हो जाता है, जिसके पास देने के लिए जमीन नहीं है, लेकिन वह खुद को गुलामी के लिए, किसी और की गुलामी में बेच देता है, और अंततः जुबली के वर्ष में, हर 49वें वर्ष में, उन्हें मुक्त किया जाना है। इसलिए, आयत 35, यदि तेरा भाई दरिद्र हो जाए और तेरे साथ अपना भरण-पोषण न कर सके, तो तू उसकी इस प्रकार सहायता करना, मानो वह परदेशी और परदेशी हो।

वह तुम्हारे साथ रहेगा, उससे कोई दिलचस्पी नहीं लेना, वगैरह वगैरह। और फिर आयत 40 के अनुसार वह जुबली के वर्ष तक तुम्हारे साथ सेवा करता रहेगा। तब वह बाहर जाएगा और स्वतंत्र हो जाएगा, इत्यादि।

तो, भूमि की तरह ही किसी व्यक्ति को दासता से मुक्त करने का विचार है। ये दोनों बातें उस समारोह या संस्था की पृष्ठभूमि में प्रतीत होती हैं जिसे हम रूथ की पुस्तक में पाते हैं। ऐसा कहने के बाद, यह इंगित किया गया है कि रूथ की पुस्तक में बोअज़ के बारे में विशिष्ट बातें रूथ के अध्याय 3 और 4 में इस करीबी रिश्तेदार, इस रिश्तेदार उद्धारकर्ता को बताती हैं, कि क्या वह इस क्षेत्र को खरीदने जा रहा है जो अबीमेलेक का था जो अब है रूथ के पास आओ, यदि वह खेत खरीदने जा रहा है, तो उसे न केवल खेत मिलता है, बल्कि सौदेबाजी में उसे रूथ भी मिल जाती है।

पेंटाटेच में कहीं भी ऐसा नहीं है जो विशेष रूप से इसके बारे में बात करता हो। तो ऐसा लगता है कि यह उस कानून का विस्तार है जो पवित्रशास्त्र में दर्ज नहीं है, जो स्पष्ट रूप से एक प्रथा बन गया है। या कौन जानता है, शायद बोअज़ बस इसे रख रहा था, इसे मौके पर ही बना रहा था।

लेकिन मुझे इसमें संदेह है क्योंकि निकट संबंधी इस बात से सहमत दिखता है, कहता है, नहीं, मैं ऐसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता क्योंकि यदि ऐसा हुआ तो मैं अपनी विरासत खो दूंगा। तो पत्नी के साथ संपत्ति की यह मुक्ति, उसके साथ जाने वाली एक महिला, लैव्यिकस में नहीं पाई जाती है। यह व्यवस्थाविवरण में नहीं पाया जाता है।

अब, इसमें उन दोनों अनुच्छेदों के तत्व हैं। यहाँ विधवा को किसी के द्वारा छुड़ाया जा रहा है, जो कुछ मायनों में व्यवस्थाविवरण मार्ग को प्रतिध्वनित करता है। यहां भूमि की मुक्ति है, जो लेविटिकस मार्ग को प्रतिध्वनित करती है।

लेकिन यह किसी भी मामले में सटीक नहीं है। व्यवस्थाविवरण में, यह एक अलग शब्द है, और लेविटिकस में, यह सौदेबाजी के साथ आने वाली एक महिला का उल्लेख नहीं करता है। तो आप रूथ के विवाह में उत्तोलन या इस तरह के रिवाज के बारे में बात करते हुए कई, कई अध्ययन देखेंगे, लेकिन यह बिल्कुल उनमें से किसी के समान नहीं है।

यह अपने आप में एक छोटी सी नई तरह की चीज़ है जिसे हम रूथ की पुस्तक में पाते हैं। शायद सदियों से इनमें से कुछ अन्य मानदंड एक प्रथा के रूप में जोड़े गए थे, जैसा कि पेंटाटेच में ईश्वर द्वारा आदेशित नहीं किया गया था। तो अब मैं उस बारे में बात करना चाहूंगा जिसे हम पुस्तक का धर्मशास्त्र या पुस्तक के कुछ महान विषयों के बारे में कह सकते हैं।

हम बाइबल की लगभग हर किताब के बारे में ऐसा कह सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से, हम इसे यहां देखते हैं, और यह किताब में भगवान की संप्रभुता और भगवान की दृढ़ता का विचार है। यहां भगवान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह ध्यान देना दिलचस्प है, उदाहरण के लिए, यह निश्चित रूप से एक छोटी किताब है।

इसमें केवल 85 श्लोक हैं, लेकिन उनमें से 23 श्लोकों में भगवान का उल्लेख है। तो एक चौथाई से अधिक, लगभग एक तिहाई पुस्तक में विशेष रूप से ईश्वर का उल्लेख है। और दिलचस्प बात यह है कि इनमें से 21 मामलों में भगवान का जिक्र पात्रों के मुंह से आता है।

दूसरे शब्दों में, पात्र स्वयं स्पष्ट रूप से ईश्वर को अपने जीवन में ला रहे हैं और उसे स्वीकार कर रहे हैं इत्यादि। इसके इर्द-गिर्द कथात्मक ढाँचा, दूसरे शब्दों में, पुस्तक का लेखक, जैसा कि वह पात्रों के बारे में लिख रहा है, केवल दो बार भगवान का उल्लेख करता है। एक बार पुस्तक की शुरुआत में, अध्याय 1, श्लोक 6। एक बार बिल्कुल अंत में, अध्याय 14, श्लोक 3। अन्यथा, भगवान का संदर्भ पात्रों के मुंह में है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि भगवान एक सम्मिलित चरित्र है पुस्तक में, और यहाँ मानवीय पात्र स्पष्ट रूप से ईश्वर को स्वीकार कर रहे हैं।

इसके अलावा, हम देख सकते हैं कि घटनाएँ कैसे घटित होती हैं, और यह कि ईश्वर हमेशा वहाँ है। यह सुव्यवस्थित है और चीज़ें अच्छी तरह से काम करती हैं। लेकिन इस तरह की बातें शायद एक दूसरे बिंदु की ओर ले जाती हैं जिसे हम बना सकते हैं, और वह यह है कि, विडंबना यह है कि, हम शायद पुस्तक में ईश्वर के छिपे होने के बारे में बात कर सकते हैं।

उनकी भूमिका स्थिर, शांत है, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, कथावाचक, पुस्तक के लेखक, वास्तव में हमें यह नहीं बताते हैं, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भगवान ने घटनाओं को इस तरह निर्देशित किया था। या कई बार तो ऐसा लगता है कि संयोग और भी हैं। उदाहरण के लिए, अध्याय 2, श्लोक 3 में, रूथ के बारे में कहा गया है, जैसा कि बाद में पता चला, उसने खुद को बोअज़ के खेत में काम करते हुए पाया।

यह लगभग वैसा ही है, ओह, यह तो ऐसे ही हुआ। अन्य ऐतिहासिक पुस्तकें संभवतः कहेंगी, ईश्वर उसे बोअज़ के क्षेत्र में ले गया या ऐसा ही कुछ। अध्याय 3, श्लोक 18 में, नाओमी रूत से बात कर रही है।

वह कहती है, रुको, मेरी बेटी, जब तक तुम्हें पता न चले कि क्या होता है। वह तब तक कुछ नहीं कहती जब तक कि ईश्वर इस पर अमल न कर दे। इसलिए, कुछ मायनों में, कई टिप्पणीकारों ने रूथ की किताब की तुलना एस्तेर की किताब से की है।

एस्तेर की पुस्तक में ईश्वर का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं है। मैं तर्क दूंगा कि वह काफी हद तक मौजूद है, एक तरह से पृष्ठभूमि में है, और संभावित रूप से काम कर रहा है। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि एस्तेर की किताब में, निश्चित रूप से, और एक अन्य हद तक, रूथ की किताब में, ईश्वर की छिपीता भी किताब का एक जानबूझकर हिस्सा है।

मुद्दा यह है कि कभी-कभी वास्तविक जीवन में, हम हमेशा निश्चित नहीं होते हैं कि कौन सी घटनाएँ ईश्वर द्वारा निर्देशित होती हैं, या ईश्वर किन घटनाओं की अनुमति देता है, और शायद उसकी इच्छा के विरुद्ध जाता है। हां, अंततः उन लोगों के लिए सभी चीजें एक साथ काम करती हैं जो उससे प्यार करते हैं। लेकिन कभी-कभी भगवान चीजों को जाने देता है, और उसका हाथ इसमें उतना शामिल नहीं होता है।

और ऐसा प्रतीत होता है कि पुस्तक का लेखक निश्चित रूप से पीछे हट गया है और इसे पात्रों के मुँह से बाहर आने दिया है। लेकिन कभी-कभी ऐसा लगता है कि वह परमेश्वर के लोगों के पक्ष में हुई घटनाओं के बारे में अधिक बात कर रहा है। पहली का तीसरा भाग, पुस्तक के विषयों के संदर्भ में, मैं, कई टिप्पणीकारों के साथ, तर्क दूंगा कि यह वास्तव में इस बड़े, व्यापक, जिसे मैं कहूंगा, राजशाही के धर्मशास्त्र में फिट बैठता है।

हमारे पास एक अलग वीडियो क्लिप है जहां हमने इज़राइल में राजाओं के लिए भगवान की योजनाओं के विचार के बारे में बात की है जो बिल्कुल शुरुआत से चली आ रही है। यदि आपने वह नहीं देखा है तो उसकी समीक्षा करना अच्छा हो सकता है। लेकिन शुरुआत से ही, परमेश्वर ने इब्राहीम की वंशावली, उत्पत्ति 17 और उत्पत्ति 35 में राजाओं का वादा किया, और फिर यहूदा की वंशावली, उत्पत्ति 49 में राजाओं का वादा किया।

व्यवस्थाविवरण 17 में एक बहुत ही महत्वपूर्ण अनुच्छेद है जो धर्मात्मा राजा की विशेषताएँ बताता है। धर्मपरायण राजा को आस-पास के राष्ट्रों के राजाओं जैसा नहीं होना चाहिए, बल्कि ईश्वरीय इस्राएली राजा की एक बहुत ही प्रति-सांस्कृतिक छवि है। राजा को घोड़े बढ़ाने और अपनी सेना पर भरोसा नहीं करना चाहिए या विदेशी गठबंधनों पर भरोसा नहीं करना चाहिए, बल्कि उसे भगवान के वचन में निहित होना चाहिए और योद्धा बनने के लिए भगवान पर भरोसा करना चाहिए।

तो यह एक पृष्ठभूमि है, विशेष रूप से न्यायाधीशों की पुस्तक के लिए, जहां चीजें इतनी दूर और इतनी तेजी से नीचे की ओर जाती हैं, और न्यायाधीशों का लेखक बार-बार कहता है, इज़राइल में कोई राजा नहीं है। हर कोई अपनी नज़र में सही कर रहा था। जजेज के लेखक का कहना है कि

चीजें इस बिंदु तक पहुंच गई थीं, क्योंकि इसराइल में कोई भी धर्मात्मा राजा नहीं था जो विकेंद्रीकृत होने के बजाय लोगों को प्रभु की ओर ले जाता था, हर कोई जो चाहता था वही करता था।

और रूथ की किताब उस पैटर्न में फिट बैठती है, खासकर डेविड पर जोर देने पर। तो, आइए अब उस पर एक नज़र डालें, और जैसे-जैसे हम पुस्तक की व्याख्या करेंगे, हम इस पर और अधिक संक्षेप में विचार करेंगे। लेकिन रूथ अध्याय 4 की ओर मुड़ें। खैर, इससे पहले, हम आपको किताब की शुरुआत में याद दिलाएंगे, अध्याय 1 से शुरू करना बेहतर है, और ध्यान दें कि कहानी एलीमेलेक नाम के एक व्यक्ति के परिवार से है।

उसकी पत्नी नाओमी और दो बेटे महलोन और किल्योन थे, और वे बेतलेहेम और यहूदा के एप्राती थे। और निस्संदेह, जैसा कि हम बाद में पढ़ते हैं, हमें पता चलता है कि बेथलहम वह स्थान है, डेविड का शहर। दाऊद यहीं से है, और यह यहूदा में है, जो उत्पत्ति 49 में यहूदा से किए गए वादों को दोहराता है कि उसके वंश से एक राजा आएगा।

तो, स्थिति यह है कि यह यहूदा का एक परिवार है, बेथलेहेम का परिवार है, और रूथ, निस्संदेह, एक विदेशी, इस परिवार में शादी करती है। तो अब चलिए अध्याय 4 पर चलते हैं, और हम इस वंशावली को पुस्तक के अंत में देखते हैं। यह हमें पेरेज़, पेरेज़ नाम के किसी व्यक्ति से पीढ़ी दर पीढ़ी श्लोक 22 तक ले जाता है, ओबेद से जेसी का जन्म हुआ, जेसी से डेविड का जन्म हुआ।

तो, पुस्तक में अंतिम शब्द डेविड है, और स्पष्ट रूप से वह ईश्वरीय राजा है जो 1 और 2 शमूएल में आने वाला है। लेकिन पेरेज़ कौन है? ठीक है, हम ऊपर देखते हैं... श्लोक 12 में उनका उल्लेख किया गया है, इसलिए मुझे अधिक अप्रत्यक्ष तरीके से उनके पास आने दीजिए। पेरेज़ यहूदा की बहू तामार से उत्पन्न हुआ पुत्र है।

स्मरण रखो, यहूदा का पुत्र, और तामार का पति मर गया। वह यहूदा के पास आती है और उससे ससुर होने के बावजूद जीजा के कर्तव्यों को निभाने के लिए कहती है, और वह इनकार कर देता है। इसलिए, वह वेश्या का वेश धारण करती है और उसे फंसा लेती है।

वह उसके पास आता है, वह गर्भवती हो जाती है, और दो बेटों को जन्म देती है। पेरेज़ उनमें से एक है। और इसलिए पहली चीज़ जो हम यहां देख सकते हैं वह डेविड और, एक तरह से, यहूदा के बीच का संबंध है।

यह डेविड को उत्पत्ति 49 में यहूदा से किए गए वादों से जोड़ता है, विशेष रूप से श्लोक 10 में, जो कहता है, राजदंड यहूदा से नहीं हटेगा, न ही शासक की छड़ी उसके पैरों के बीच से तब तक नहीं हटेगी, जब तक कि वह जिसके पास है वह न आ जाए। निःसंदेह डेविड का जिक्र है, और फिर अंततः दीर्घावधि में ईसा मसीह की ओर। लेकिन निश्चित रूप से, पुराने नियम में, यह डेविड के बारे में बात कर रहा है।

और इसलिए, यह वंशावली रूप से दाऊद को यहूदा के साथ जोड़ रहा है, लेकिन फिर यहूदा से किए गए वादे भी हैं जो हम उत्पत्ति 49 में देखते हैं। दूसरे, हम ग्रामीणों को एक साथ आते हुए

देखते हैं, और श्लोक 11, अध्याय 4 में हर कोई एक साथ गेट पर आता है, और यह कहते हैं, जितने लोग फाटक पर थे, और पुरनिये कहते थे, हम तो गवाह हैं। यह बोअज़ और रूथ के एक साथ आने के लिए है।

और वे आशीर्वाद देते हैं। वे कहते हैं, जो स्त्री तेरे घर में आनेवाली है उसे यहोवा राहेल और लिआ के समान कर दे। और निस्संदेह, राहेल और लिआ याकूब की दो पत्नियाँ हैं।

तो, यह हमें याकूब के पास वापस ले जाता है, और लिआ यहूदा की माँ है। तो, दूसरे प्रकार के गोल चक्कर में, हमारे पास यहाँ चित्र में यहूदा है, जिसने मिलकर इस्राएल के घर का निर्माण किया। तू एप्राता में अच्छे काम कर, और बेतलेहेम में प्रसिद्ध हो।

तो, डेविड का संदर्भ उसके गृहनगर, बेथलहम से लिया गया है। और फिर तीसरा, पद 12, तेरा घराना पेरेस के घराने के समान हो, जिसे तामार ने यहूदा के लिये उत्पन्न किया था। तो, वहाँ स्पष्ट रूप से यहूदा है।

इसलिए, मुझे लगता है कि पुस्तक के अंत में साक्ष्य के कई पहलू, कुछ प्रत्यक्ष, कुछ अप्रत्यक्ष, डेविड और इस समय की घटनाओं को यहूदा और यहूदा से किए गए वादों के साथ जोड़ रहे हैं। तो, रूथ, नाओमी और बोअज़ मध्यबिंदु में नहीं, बल्कि यहूदा से किए गए वादों और कुछ पीढ़ियों बाद, दाऊद और उसके परिवार के जन्म के बीच के एक बिंदु पर खड़े हैं। तो, उस अर्थ में, मुझे ऐसा लगता है कि रूथ की पुस्तक न्यायाधीशों की पुस्तक के धर्मशास्त्र पर आधारित है।

न्यायाधीश कह रहे हैं कि हमें एक राजा की जरूरत है, हमें एक धर्मात्मा राजा की जरूरत है। रूथ की किताब हमें डेविड के निकट पूर्वजों के जीवन का एक स्नेपशॉट देती है, जिसमें कहा गया है कि ईश्वर चारों ओर है और काम कर रहा है, और यह एक खूबसूरत चीज है जो काम कर रही है, और यह डेविड के आने पर अच्छी चीजें होने का संकेत देती है। तो, उस अर्थ में, यह किताब, सिर्फ एक खूबसूरत कहानी होने के अलावा, पारिवारिक वफादारी वगैरह के बारे में बात करने के अलावा, विदेशियों के स्वागत के बारे में भी बताती है, यह राजशाही के धर्मशास्त्र का हिस्सा है जो बाइबिल के माध्यम से जाता है भी।

तो वे प्रमुख बातें हैं जो मैं परिचय के संदर्भ में पुस्तक के बारे में कहना चाहूंगा। तो, अब हम पुस्तक की वास्तविक अध्याय-दर-अध्याय व्याख्या को देखने में कुछ समय व्यतीत करेंगे। और इसलिए, यदि आपके पास अपनी बाइबिल है, तो अध्याय 1 खोलें और हम अध्यायों का अध्ययन करेंगे।

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 31 है, रूथ का परिचय।